मासिक पाठ योजना कक्षा 7

शिक्षक का नाम: डॉ योगिता रानी
विद्यालय का नाम: बुढ़ा दल पब्लिक स्कूल पटियाला
दिनांक :
कक्षा : सातवीं
समय :40 मिनट
घंटी : दूसरी
विषय : हिंदी
प्रकरण: नमक का दरोगा
1. शिक्षण बिन्दु:- बच्चों की
के अनुसार इस कहानी को कथा में बताया जाएगा। इससे बच्चे प्रेमचंद के बारे में जानेंगे।
2. सामान्य उद्देश्य :-पाठ पढ़ने के उपरान्त शिक्षार्थी
(i) छात्रों के ज्ञान परिधि बढ़ाना।
(ii) छात्रों को गद्य शैलियों से परिचित कराना।।
(iii) छात्रों में कहानी के प्रति रूचि उत्पन्न करते हुए उनमें कहानी पठन के प्रति अनुराग उत्पन्न करना।
(iv) छात्र के विभिन्न मानसिक शक्तियां तथा मानव मूल्यों को तथा विकसित करना।
(v) छात्रों को सामाजिक स्थिति का ज्ञान देना।
(vi) छात्रों को अच्छा नागरिक बनाना।
(vii) छात्रों को समाज के साथ जीवन का समन्वय बताना।
3. विशिष्ट उद्देश्य :
(i) पाठ पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना।
4. पूर्वज्ञान- छात्र सामाजिक परिस्थितियां तथा प्रेमचन्द की कुछ सामाजिक
कहानियों से परिचित है।
5. शिक्षण सहायक सामग्री- फ्लैनल बोर्ड, पाठ्यपुस्तक आदि।
6. सीखने की प्रक्रिया (योजना) – प्रेमचंद द्वारा रचित कहानी 'नमक का दरो को कक्षा में बच्चों को बताया जाएगा। फिर इस कहानी के साथ बच्चों को क्या शु बनी। इसे जानने के लिए उन्हें कुछ प्रश्न करने को दिए जाएँगे। कक्षा का मार्ग इस प्रकार रखा जाएगा कि बच्चे बिना किसी हिचक या डर के अपने खोजे । रचनात्मकता को बढ़ावा दिया जाएगा। व्याख्यात विधि का उपयोग किया जाएगा।
7. प्रस्तावना :
(i) इसमें किस समाज का वर्णन है ?
(ii) हमारे समाज का स्वरूप कैसा है ?
(iii) प्रेमचंद की कहानियों में किस प्रकार के समाज का वर्णन अधिक मिलता है।
8. प्रस्तुतीकरण :
9. पुनरावृत्ति :
(i) इस कहानी के रचनाकार कौन है ?
(ii) मुंशीजी कौन थे ?
10. मूल्यांकन :
(i) पंडितजी कौन थे ?
(ii) 'नमक का दारोगा कौन था ?
11. गृहकार्य :

(i) मुंशीजी कैसे व्यक्ति थे ?
(ii) मुंशीजी के चरित्र से संबंधित 10 पंक्तियाँ लिखें।
12. संदर्भ -
विद्यालय में उपलब्ध पाठ्यपुस्तक के माध्यम से इस कहानी को समझाया गया।

विद्यालय का नाम: बुढ़ा दल पब्लिक स्कूल पटियाला
दिनांक :
कक्षा : सातवीं
समय :40 मिनट
घंटी : दूसरी
विषय : हिंदी
प्रकरण: सत्कर्तव्य (कविता)
आवश्यक दिन: 3-4
सामान्य उद्देश्य
वशिष्ठ उद्देश्य
ज्ञानात्मक:-
1. छात्र पाठ का शीर्षक
जान सकेंगे।
2. छात्र कवि का नाम जान सकेंगे।
3. छात्र कवि के बारे में और उसकी जीवन के बारे में जान सकेंगे।
भावनात्मक:-छात्र पद के भावों को जान सकेंगे और कविता को उदाहरण सहित स्पष्ट कर सकेंगे।
छात्र पद की व्याख्या कर सकेंगे।
सहायक सामग्री:-कबीरदास का चित्र।
पूर्वज्ञान परीक्षण:-छात्र को कबीरदास के बारे में सामान्य जानकारी है।
प्रस्तावना:-1.भक्ति काल के कुछ कवियों के नाम बताएं?
2.साखी किसकी रचना है?
3.साखी कबीर दास की किस रचना संग्रह से ली गई है?
उद्देश्य कथन:- बच्चों आज हम सभी मिलकर नीति के दोहे जो कबीर दास द्वारा रचित हैं, उनका अध्ययन करेंगे।
प्रस्तुतीकरण:-
प्रथम अन्विति:-दुर्बल.............. शरीर।
आदर्श वाचन:-अध्यापिका द्वारा उचित लय यति-गति छंद आरोह -अवरोह के साथ दोहे का आदर्श वाचन किया जाएगा। तथा छात्रों द्वारा अनुकरण वाचन किया जाएगा।
निरीक्षण एवं उच्चारण संशोधन:-छात्रों के गलत उच्चारण को अध्यापिका द्वारा सही कराया जाएगा।
व्याख्या एवं प्रस्तुतीकरण:-
कबीरदास जी कहते हैं कि अमीर व्यक्ति को कभी भी दुखी व्यक्ति को सताना नहीं चाहिए क्योंकि इसकी यह जितनी हानिकारक होती है सब कुछ नष्ट हो जाता है कबीर दास जी इस दोहे में कहते हैं कि मीठी वाणी दवा से के समान होती है और कठोर वाणी तीर के समान जो सभी रास्तों से पूरे शरीर को बेधती है।
मूल्यांकन:-
1.कबीर दास जी के गुरु कौन थे?
2.कबीर दास जी ने क्या लिखा?
3.कबीर दास की रचना का नाम बताइए?
4.हमें किसे नहीं सताना चाहिए?
5.मधुर वचन कैसा होता है?
गृह कार्य:-बच्चों आप सभी कबीरदास के दोहों का अर्थ याद करके आइएगा और कबीर दास के दोनों को पढ़कर आएंगे।

मासिक पाठ योजना
मई-24 दिन
विद्यालय का नाम: बुढ़ा दल पब्लिक स्कूल पटियाला
दिनांक :
कक्षा : सातवीं
समय :40 मिनट
घंटी : दूसरी
विषय : हिंदी
प्रकरण: दीपदान
1. शिक्षण बिन्दु:- बच्चों की
के अनुसार इस कहानी को कथा में बताया जाएगा। इससे बच्चे प्रेमचंद के बारे में जानेंगे।
2. सामान्य उद्देश्य :-पाठ पढ़ने के उपरान्त शिक्षार्थी
(i) छात्रों के ज्ञान परिधि बढ़ाना।
(ii) छात्रों को गद्य शैलियों से परिचित कराना।।
(iii) छात्रों में कहानी के प्रति रूचि उत्पन्न करते हुए उनमें कहानी पठन के प्रति अनुराग उत्पन्न करना।
(iv) छात्र के विभिन्न मानसिक शक्तियां तथा मानव मूल्यों को तथा विकसित करना।
(v) छात्रों को सामाजिक स्थिति का ज्ञान देना।
(vi) छात्रों को अच्छा नागरिक बनाना।
(vii) छात्रों को समाज के साथ जीवन का समन्वय बताना।
3. विशिष्ट उद्देश्य :
(i) पाठ पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना।
4. पूर्वज्ञान- छात्र दीपदान के विशेष के बारे पूर्व ज्ञान परीक्षण से परिचित है।
5. शिक्षण सहायक सामग्री- फ्लैनल बोर्ड, पाठ्यपुस्तक आदि।
6. सीखने की प्रक्रिया (योजना) – कक्षा में दीपदान कहानी के बारे में पठन किया जाएगा तथा छात्रों की रुचि का ध्यान रखते हुए बीच-बीच में कुछ प्रश्न पूछे ।जाएंगे।
7. प्रस्तावना :
1.श्री राम का जन्म कहां हुआ था?
2.अयोध्या में कौन सी नदी बहती है?
3. सरयू नदी के समय विशेष तौर पर किस का महत्व था?
4. दीपदान के विषय में आप क्या जानते हैं?
8. प्रस्तुतीकरण :
पाठ का पठन एवं व्याख्या करते हुए उचित उद्देश्य की जानकारी दी जाएगी तथा कठिन शब्दों के अर्थों के बारे में बताया जाएगा।
9. पुनरावृत्ति :
(i) पन्नाधाय इतिहास में क्यों प्रसिद्ध हैं?
(ii) महाराणा सांगा के सबसे छोटे पुत्र का क्या नाम था?
(iii)जनवीर कौन था?
(iv)वीरांगना का क्या अर्थ है?
10. मूल्यांकन :
(i) कटार का क्या अर्थ ?
(ii) उदय सिंह के पिता कौन थ?
(iii) आंखों में पानी आना मुहावरे का क्या अर्थ है?
11. गृहकार्य :
(i) पन्नाधाय इतिहास में क्यों प्रसिद्ध है ?
(ii) पन्ना धाय के बारे में 10 पंक्तियाँ लिखें।
12. संदर्भ -
विद्यालय में उपलब्ध पाठ्यपुस्तक के माध्यम से इस कहानी को समझाया गया।

विद्यालय का नाम: बुढ़ा दल पब्लिक स्कूल पटियाला
दिनांक :
कक्षा : सातवीं
समय :40 मिनट
घंटी : दूसरी
विषय : हिंदी
प्रकरण: समय नियोजन
1. शिक्षण बिन्दु:- बच्चों की
रुचि के अनुसार इस कहानी को कथा में बताया जाएगा। इसमें बच्चे समय के नियोजन के बारे में मैं पढ़ेंगे तथा उस समय का सदुपयोग करना सीखेंगे।
2. सामान्य उद्देश्य :-पाठ पढ़ने के उपरान्त शिक्षार्थी
(i) छात्रों के ज्ञान परिधि बढ़ाना।
(ii) छात्रों को गद्य शैलियों से परिचित कराना।।
(iii) छात्रों में कहानी के प्रति रूचि उत्पन्न करते हुए उनमें कहानी पठन के प्रति अनुराग उत्पन्न करना।
(iv) छात्र के विभिन्न मानसिक शक्तियां तथा मानव मूल्यों को तथा विकसित करना।
(v) छात्रों को सामाजिक स्थिति का ज्ञान देना।
(vi) छात्रों को अच्छा नागरिक बनाना।
(vii) छात्रों का समय के सदुपयोग करने का ज्ञान देना।
3. विशिष्ट उद्देश्य :
(i) पाठ पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना।
(ii) गांधी जी के जीवन की समय के महत्व को जान पाएंगे।
(iii) नेहरू जी के द्वारा किए गए समय के सदुपयोग के नियमों को अपने जीवन में उतार पाएंगे।
4. पूर्वज्ञान- छात्र समय के बारे में तथा उसके उपयोग के बारे में परिचित हैं।
5. शिक्षण सहायक सामग्री- फ्लैनल बोर्ड, पाठ्यपुस्तक आदि।
6. सीखने की प्रक्रिया (योजना) – कहानी 'समय नियोजन' को कक्षा में बच्चों को बताया जाएगा। इसे जानने के लिए उन्हें कुछ प्रश्न करने को दिए जाएँगे। कक्षा का मार्ग इस प्रकार रखा जाएगा कि बच्चे बिना किसी हिचक या डर के अपने प्रश्नों के उत्तर खोजे । रचनात्मकता को बढ़ावा दिया जाएगा। व्याख्यात विधि का उपयोग किया जाएगा।
7. प्रस्तावना :
(i) नेहरू जी कौन थे?
(ii) क्या एक बार निकला समय वापस आता है?
(iii) जो लोग समय का उपयोग सही ढंग से नहीं करते उससे क्या होता है?
(iv) नेहरु जी समय का सदुपयोग कैसे करते थे?
8. प्रस्तुतीकरण : समय का महत्व बताते हुए पाठ का पठन किया जाएगा तथा कठिन शब्दों के अर्थ बताए जाएंगे बीच-बीच में समय के सदुपयोग पर छात्रों से उनके जीवन से जोड़कर कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे।
9. पुनरावृत्ति :
(i) हमें समय नियोजन कैसे करना चाहिए?
(ii) गांधीजी समय नियोजन कैसे करते थे?
(iii) समय का सदुपयोग करने से क्या-क्या फायदे होते हैं?
10. मूल्यांकन :
(i) समय का सदुपयोग कैसे किया जाता है ?
(ii) आप अपनी पढ़ाई के लिए समय का नियोजन कैसे करेंगे ?
गांधीजी की एक पुस्तक का नाम बताइए?
11. गृहकार्य :
(i) आप अपने दैनिक जीवन के लिए समय नियोजन की एक सारणी बनाएं ।
(ii) गांधीजी के जीवन में समय के नियोजन के बारे मेंके लिखें।
12. संदर्भ -

विद्यालय में उपलब्ध पाठ्यपुस्तक के माध्यम से इस कहानी को समझाया गया।

मासिक पाठ योजना
विद्यालय का नाम: बुढ़ा दल पब्लिक स्कूल पटियाला
दिनांक :
कक्षा : सातवीं
समय :40 मिनट
घंटी : दूसरी
विषय : हिंदी
प्रकरण: ताई
1. शिक्षण बिन्दु:- बच्चों की
रुचि केअनुसार इस पाठ को पढ़ाया जाएगा तथा छोटे बच्चों के मनोविज्ञान के बारे में बताया जाएगा एक छोटे बच्चे का ताई के गुस्से से दूर रहने तथा ताई की ममता के बारे में बताया जाएगा। कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए उचित उद्देश्य की जानकारी भी दी जाएगी।
2. सामान्य उद्देश्य :-पाठ पढ़ने के उपरान्त शिक्षार्थी
(i) छात्रों के ज्ञान परिधि बढ़ाना।
(ii) छात्रों को गद्य शैलियों से परिचित कराना।।
(iii) छात्रों में कहानी के प्रति रूचि उत्पन्न करते हुए उनमें कहानी पठन के प्रति अनुराग उत्पन्न करना।
(iv) छात्र के विभिन्न मानसिक शक्तियां तथा मानव मूल्यों को तथा विकसित करना।
(v) छात्रों को सामाजिक स्थिति का ज्ञान देना।
(vi) छात्रों को अच्छा नागरिक बनाना।
(vii) छात्रों को समाज के साथ जीवन का समन्वय बताना।
3. विशिष्ट उद्देश्य :
(i) ताई का स्वभाव कैसा था?
(ii) बच्चा ताई को रेलगाड़ी में क्यों नहीं बिठाना चाहता था?
(iii) बच्चे ने बाबूलाल से कौन से खिलौने की मांग की?
4. पूर्वज्ञान- छात्र पूर्व ज्ञान से परिचित हैं।
5. शिक्षण सहायक सामग्री- फ्लैनल बोर्ड, पाठ्यपुस्तक आदि।
6. सीखने की प्रक्रिया (योजना) −कक्षा में ताई पाठ को बच्चों को पढ़ाया जाएगा। फिर इस कहानी के साथ बच्चों को क्या सीखने को मिला। इसे जानने के लिए उन्हें कुछ प्रश्न करने को दिए जाएँगे। कक्षा का मार्ग इस प्रकार रखा जाएगा कि बच्चे बिना किसी हिचक या डर के अपने खोजे । रचनात्मकता को बढ़ावा दिया जाएगा। व्याख्यात विधि का उपयोग किया जाएगा।
7. प्रस्तावना :
(i) इस कहानी मैं बेऔलाद ताई की तड़पना के बारे में बताया जाएगा।
(ii) छोटे बच्चों की मासूमियत के बारे में पढ़ाया जाएगा ?
(iii) प्रेमचंद की कहानियों में किस प्रकार के समाज का वर्णन अधिक मिलता है।
8. प्रस्तुतीकरण :
9. पुनरावृत्ति :
(i) इस कहानी के रचनाकार कौन है ?
(ii) कई बच्चे को प्यार क्यों नहीं करती थी ?
(iii) बच्चे के छत से गिरने पर ट्राई की क्या प्रक्रिया थी?
10. मूल्यांकन :
(i)?
(ii) 'नमक का दारोगा कौन था ?
11. गृहकार्य :
(i) मुंशीजी कैसे व्यक्ति थे ?
(ii) मुंशीजी के चरित्र से संबंधित 10 पंक्तियाँ लिखें।

12. संदर्भ -
विद्यालय में उपलब्ध पाठ्यपुस्तक के माध्यम से इस कहानी को समझाया गया।

विद्यालय का नाम: बुढ़ा दल पब्लिक स्कूल पटियाला
दिनांक :
कक्षा : सातवीं
समय :40 मिनट Rd
घंटी : दूसरी
विषय : हिंदी
प्रकरण: ऊंचाई (कविता)
आवश्यक दिन: 3-4
सामान्य उद्देश्य
वशिष्ठ उद्देश्य
ज्ञानात्मक:-
1. छात्र पाठ का शीर्षक
जान सकेंगे।
2. छात्र कवि का नाम जान सकेंगे।
3. छात्र कवि के बारे में और उसकी जीवन के बारे में जान सकेंगे।
भावनात्मक:-छात्र पद के भावों को जान सकेंगे और कविता को उदाहरण सहित स्पष्ट कर सकेंगे।
छात्र पद की व्याख्या कर सकेंगे।
सहायक सामग्री:-अटल बिहारी वाजपेई जी का चित्र।
पूर्वज्ञान परीक्षण:-छात्र को अटल बिहारी जी के बारे में सामान्य जानकारी है।
प्रस्तावना:-1. आप कितने कवियों को जानते हैं?
2. ऊंचाई किसकी रचना है ?
3. ऊंचाई कविता में किस बारे में लिखा गया है?
उद्देश्य कथन:- बच्चों आज हम सभी मिलकर ऊंचाई कविता जो अटल जी द्वारा रचित हैं, उनका अध्ययन करेंगे।
प्रस्तुतीकरण:-
प्रथम अन्विति:-दुर्बल............... शरीर।
आदर्श वाचन:-अध्यापिका द्वारा उचित लय यति-गति छंद आरोह -अवरोह के साथ दोहे का आदर्श वाचन किया जाएगा। तथा छात्रों द्वारा अनुकरण वाचन किया जाएगा।
निरीक्षण एवं उच्चारण संशोधन:-छात्रों के गलत उच्चारण को अध्यापिका द्वारा सही कराया जाएगा।
व्याख्या एवं प्रस्तुतीकरण:-
अटल जी कहते हैं कि अमीर व्यक्ति को कभी भी ऊंचाई को देखकर घमंड नहीं होना चाहिए क्योंकि यह जितनी हानिकारक होती है सब कुछ नष्ट हो जाता है अटल जी इस कविता में कहते हैं कि ऊंचे पहाड़ और बहुत बड़ी-बड़ी ऊंचाइयों के पास मृत्यु ही होती है वहां पर जीवन बहुत कम मिलता है और नीचे रहकर हमें सब का आदर और जीवन मिलता है इसलिए भगवान हमें इतनी ऊंचाई देना जिससे हम नीचे वालों को भी देख सकें तथा सबको अपना मान कर चल सके हमें घमंड ना हो।
मूल्यांकन:-
1.कबीर दास जी के गुरु कौन थे?
2.कबीर दास जी ने क्या लिखा?
3.कबीर दास की रचना का नाम बताइए?
4.हमें किसे नहीं सताना चाहिए?
5.मधुर वचन कैसा होता है?
गृह कार्य:-बच्चों आप सभी कबीरदास के दोहों का अर्थ याद करके आइएगा और कबीर दास के दोनों को पढ़कर आएंगे।

विद्यालय का नाम: बुढ़ा दल पब्लिक स्कूल पटियाला
दिनांक :
कक्षा : सातवीं
समय :40 मिनट
घंटी : दूसरी
विषय : हिंदी
प्रकरण: महात्मा गांधी के पत्र
1. शिक्षण बिन्दु:- बच्चों की
के अनुसार इस कहानी को कथा में बताया जाएगा। इससे बच्चे महात्मा गांधी के पत्रों के बारे में जानेंगे।
2. सामान्य उद्देश्य :-पाठ पढ़ने के उपरान्त शिक्षार्थी
(i) छात्रों के ज्ञान परिधि बढ़ाना।
(ii) छात्रों को गद्य शैलियों से परिचित कराना।।
(iii) छात्रों में कहानी के प्रति रूचि उत्पन्न करते हुए उनमें कहानी पठन के प्रति अनुराग उत्पन्न करना।
(iv) छात्र के विभिन्न मानसिक शक्तियां तथा मानव मूल्यों को तथा विकसित करना।
(v) छात्रों को सामाजिक स्थिति का ज्ञान देना।
(vi) छात्रों को अच्छा नागरिक बनाना।
(vii) छात्रों को समाज के साथ जीवन का समन्वय बताना।
3. विशिष्ट उद्देश्य :
(i) पाठ पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना।
(ii) गांधी जी के जीवन की संघर्षपूर्ण जानकारी देना।
(iii) गांधीजी के नियमों को अपने जीवन में उतार पाएंगे।
4. पूर्वज्ञान- छात्र सामाजिक परिस्थितियां तथा महात्मा गांधी जी की कुछ सामाजिक
कहानियों से परिचित है।
5. शिक्षण सहायक सामग्री- फ्लैनल बोर्ड, पाठ्यपुस्तक आदि।
6. सीखने की प्रक्रिया (योजना) – कहानी 'महात्मा गांधी के पत्र को कक्षा में बच्चों को बताया जाएगा। इसे जानने के लिए उन्हें कुछ प्रश्न करने को दिए जाएँगे। कक्षा का मार्ग इस प्रकार रखा जाएगा कि बच्चे बिना किसी हिचक या डर के अपने प्रश्नों के उत्तर खोजे । रचनात्मकता को बढ़ावा दिया जाएगा। व्याख्यात विधि का उपयोग किया जाएगा।
7. प्रस्तावना :
(i) हम किस देश में निवास करते हैं?
(ii)भारत कब आजाद हुआ?
(iii)भारत को स्वतंत्रता दिलाने में किस की मुख्य भूमिका मानी जाती है?
(iv)महात्मा गांधी जी के विषय में आप क्या जानते हैं?
8. प्रस्तुतीकरण :
9. पुनरावृत्ति :
(i) भारत की आजादी में मुख्य भूमिका किसकी थी?
(ii) महात्मा गांधी जी का जन्म कब हुआ?
(iii)गांधी जी के पिता जी का क्या नाम था?
10. मूल्यांकन :
(i) महात्मा गांधी जी को महात्मा की उपाधि किसने दी ?
(ii) गांधी जी किस की पढ़ाई के लिए लंदन विश्वविद्यालय गए ?
(iii) गांधी जी भारत कब लौटे?
गांधीजी की एक पुस्तक का नाम बताइए?
11. गृहकार्य :
(i) गांधीजी के जीवन के संघर्षों के विषय में लिखें ।
(ii) गांधीजी के पत्रों के बारे में लिखें।
12. संदर्भ -

विद्यालय में उपलब्ध पाठ्यपुस्तक के माध्यम से इस कहानी को समझाया गया।

विद्यालय का नाम: बुढ़ा दल पब्लिक स्कूल पटियाला
दिनांक :
कक्षा : सातवीं
समय :40 मिनट
घंटी : दूसरी
विषय : हिंदी पद्य
प्रकरण: नीति के दोहे
आवश्यक दिन: 3-4
सामान्य उद्देश्य :-1.छात्रों को हिंदी के प्रति रुचि पैदा करना।
2. छात्रों का के चरित्र का निर्माण करना ।
3.छात्रों को भाषा से संबंधित जानकारी देना।
4. छात्रों में हिंदी भाषा के माध्यम से राष्ट्रीय एकता तथा देश प्रेम की भावना जागृत करना।
5. पद्यांश में प्रयुक्त अलंकारों की जानकारी देना।
वशिष्ठ उद्देश्य:-1.छात्र दोनों के अर्थ जान सकेंगे।
2. दोहे के अर्थों के महत्व को जान सकेंगे।
3. दोहों की व्याख्या कर सकेंगे।
ज्ञानात्मक:-
1. छात्र पाठ का शीर्षक
जान सकेंगे।
2. छात्र कवि का नाम जान सकेंगे।
3. छात्र कवि के बारे में और उसकी जीवन के बारे में जान सकेंगे।
भावनात्मक:-छात्र पद के भावों को जान सकेंगे और कविता को उदाहरण सहित स्पष्ट कर सकेंगे।
छात्र पद की व्याख्या कर सकेंगे।
सहायक सामग्री:-कबीरदास का चित्र।
पूर्वज्ञान परीक्षण:
1.छात्रों को नीति के दोहे के बारे में पूर्वज्ञान है।
2.-छात्र को कबीरदास के बारे में सामान्य जानकारी है।
प्रस्तावना:-1.भक्ति काल के कुछ कवियों के नाम बताएं?
2.साखी किसकी रचना है?
3.साखी कबीर दास की किस रचना संग्रह से ली गई है?
उद्देश्य कथन:- बच्चों आज हम सभी मिलकर नीति के दोहे जो कबीर दास द्वारा रचित हैं, उनका अध्ययन करेंगे।
प्रस्तुतीकरण:-
प्रथम अन्विति:-दुर्बल............... शरीर।
आदर्श वाचन:-अध्यापिका द्वारा उचित लय यति-गति छंद आरोह -अवरोह के साथ दोहे का आदर्श वाचन किया जाएगा। तथा छात्रों द्वारा अनुकरण वाचन किया जाएगा।
निरीक्षण एवं उच्चारण संशोधन:-छात्रों के गलत उच्चारण को अध्यापिका द्वारा सही कराया जाएगा।
व्याख्या एवं प्रस्तुतीकरण:-
कबीरदास जी कहते हैं कि अमीर व्यक्ति को कभी भी दुखी व्यक्ति को सताना नहीं चाहिए क्योंकि इसकी यह जितनी हानिकारक होती है सब कुछ नष्ट हो जाता है कबीर दास जी इस दोहे में कहते हैं कि मीठी वाणी दवा से के समान होती है और कठोर वाणी तीर के समान जो सभी रास्तों से पूरे शरीर को बेधती है।
मूल्यांकन:-
1.कबीर दास जी के गुरु कौन थे?
2.कबीर दास जी ने क्या लिखा?
3.कबीर दास की रचना का नाम बताइए?

4.हमें किसे नहीं सताना चाहिए?
5.मधुर वचन कैसा होता है?
गृह कार्य:-बच्चों आप सभी कबीरदास के दोहों का अर्थ याद करके आइएगा और कबीर दास के दोनों को पढ़कर आएंगे।

विद्यालय का नाम: बुढ़ा दल पब्लिक स्कूल पटियाला
दिनांक :
कक्षा : सातवीं
समय :40 मिनट
घंटी : दूसरी
विषय : हिंदी
प्रकरण: प्रणति(कविता)
आवश्यक दिन: 3-4
सामान्य उद्देश्य
वशिष्ठ उद्देश्य:-बच्चे आजादी की लड़ाई में शहीद हुए वीरों के बारे में जान सकेंगे।
बच्चों के अंदर देश प्रेम की भावना जागृत होगी
ज्ञानात्मक:-
1. छात्र पाठ का शीर्षक
जान सकेंगे।
2. छात्र कवि का नाम जान सकेंगे।
3. छात्र कवि के बारे में और उसकी जीवन के बारे में जान सकेंगे।
भावनात्मक:-छात्र पद के भावों को जान सकेंगे और कविता को उदाहरण सहित स्पष्ट कर सकेंगे।
छात्र पद की व्याख्या कर सकेंगे।
सहायक सामग्री:-प्रणति कविता का का चित्र।
पूर्वज्ञान परीक्षण:-बच्चे आजादी की लड़ाई में भाग लेने वाले महापुरुषों के बारे में पूर्व ज्ञान से परिचित हैं।
प्रस्तावना:-1 हमारे देश का क्या नाम है.?
2. आजादी की लड़ाई से पहले हमारा देश किन देशों के अधीन रहा है ?
3. अंग्रेजों से आजादी दिलाने वाले कुछ महापुरुषों के नाम बताएं ?
उद्देश्य कथन:-बच्चों आज हम कविता प्रणति प्रणति का रसास्वादन करेंगे तथा रामधारी सिंह कवि के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
प्रस्तुतीकरण:-
कलम आज उनकी जय बोल जला अस्थियां बारी बारी
.... आज उनकी जय बोल।
आदर्श वाचन:-अध्यापिका द्वारा उचित लय यति-गति छंद आरोह -अवरोह के साथ दोहे का आदर्श वाचन किया जाएगा। तथा छात्रों द्वारा अनुकरण वाचन किया जाएगा।
निरीक्षण एवं उच्चारण संशोधन:-छात्रों के गलत उच्चारण को अध्यापिका द्वारा सही कराया जाएगा।
मूल्यांकन:-
1. प्रस्तुत कविता के कवि कौन हैं?
2. धरती अब तक क्यों ढोल रही है?
3. इस कविता से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?
4.हमें किसे नहीं सताना चाहिए?
5. प्रणति का क्या अर्थ होता है?
गृह कार्य:-छात्र कविता में आए विशेषण व संज्ञा का मिलान करके लेकर आएंगे।

विद्यालय का नाम: बुढ़ा दल पब्लिक स्कूल पटियाला
दिनांक :

कक्षा : सातवीं
समय :40 मिनट
विषय पूरा करने के लिए अपेक्षित दिन 3-4
प्रकरण: कामचोर
1. शिक्षण परिणाम (बिन्दु):- बच्चों की
रुचि के अनुसार इस कहानी को कथा में बताया जाएगा। इसमें बच्चे काम चोरी के बारे में मैं पढ़ेंगे तथा संयुक्त परिवार तथा परिवारिक सदस्यों के महत्व पर प्रकाश डालेंगे।
2. सामान्य उद्देश्य :-पाठ पढ़ने के उपरान्त शिक्षार्थी
(i) छात्रों के ज्ञान परिधि बढ़ाना।
(ii) छात्रों को गद्य शैलियों से परिचित कराना।।
(iii) छात्रों में कहानी के प्रति रूचि उत्पन्न करते हुए उनमें कहानी पठन के प्रति अनुराग उत्पन्न करना।
(iv) छात्र के विभिन्न मानसिक शक्तियां तथा मानव मूल्यों को तथा विकसित करना।
(v) छात्रों को सामाजिक स्थिति का ज्ञान देना।
(vi) छात्रों को अच्छा नागरिक बनाना।
(vii) छात्रों का समय के सदुपयोग करने का ज्ञान देना।
3. विशिष्ट उद्देश्य :
(i) पाठ पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना।
(ii) गांधी जी के जीवन की समय के महत्व को जान पाएंगे।
(iii) नेहरू जी के द्वारा किए गए समय के सदुपयोग के नियमों को अपने जीवन में उतार पाएंगे।
4. पूर्वज्ञान- छात्र समय के बारे में तथा उसके उपयोग के बारे में परिचित हैं।
5. शिक्षण सहायक सामग्री- फ्लैनल बोर्ड, पाठ्यपुस्तक आदि।
6. सीखने रणनीतियां (योजना) – कहानी 'समय नियोजन' को कक्षा में बच्चों को बताया जाएगा। इसे जानने के लिए उन्हें कुछ प्रश्न करने को दिए जाएँगे। कक्षा का मार्ग इस प्रकार रखा जाएगा कि बच्चे बिना किसी हिचक या डर के अपने प्रश्नों के उत्तर खोजे । रचनात्मकता को बढ़ावा दिया जाएगा। व्याख्यात विधि का उपयोग किया जाएगा।
गतिविधियां:-खेलों तथा माता-पिता की मदद करने वाले कार्यों की सूची बनाना।
7. (जीवन कौशल) उद्देश्य पूर्ण जीवन जीने व अपने कर्तव्यों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करने की सीख देना।
8. प्रस्तुतीकरण : समय का महत्व बताते हुए पाठ का पठन किया जाएगा तथा कठिन शब्दों के अर्थ बताए जाएंगे बीच-बीच में समय के सदुपयोग पर छात्रों से उनके जीवन से जोड़कर कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे।
9. प्रतिक्रिया एवं उपचारात्मक (पुनरावृत्ति) :
(i) हमें समय नियोजन कैसे करना चाहिए?
(ii) गांधीजी समय नियोजन कैसे करते थे?
(iii) समय का सदुपयोग करने से क्या-क्या फायदे होते हैं?
10. मूल्यांकन :
(i) दरी पर पानी क्यों छिड़का गया ?
(ii) तखत पर कौन चल गई और उन्होंने क्या किया?
(iii) अंत में बच्चों ने क्या निश्चिय किया?
11. गृहकार्य :
(i) आप अपने दैनिक जीवन के लिए समय नियोजन की एक सारणी बनाएं ।
(ii) आप पढ़ाई के अलावा कौन-कौन से खेल खेलते हैं और घर में इन किन कामों में सपने माता-पिता का सही वो करते हैं उनकी सूची बनाइए।

विद्यालय का नाम: बुढ़ा दल पब्लिक स्कूल पटियाला
दिनांक :
कक्षा : सातवीं
समय :40 मिनट
विषय पूरा करने के लिए अपेक्षित दिन 3-4

प्रकरण:- सुभान खां
1. शिक्षण परिणाम (बिन्दु):- बच्चों की
रुचि के अनुसार इस कहानी को कथा में बताया जाएगा। इसमें सुभान खान के बारे में के बारे में मैं पढ़ेंगे तथा संयुक्त परिवार तथा परिवारिक सदस्यों के महत्व पर प्रकाश डालेंगे।
2. सामान्य उद्देश्य :-पाठ पढ़ने के उपरान्त शिक्षार्थी
(i) छात्रों के ज्ञान परिधि बढ़ाना।
(ii) छात्रों को गद्य शैलियों से परिचित कराना।।
(iii) छात्रों में कहानी के प्रति रूचि उत्पन्न करते हुए उनमें कहानी पठन के प्रति अनुराग उत्पन्न करना।
(iv) छात्र के विभिन्न मानसिक शक्तियां तथा मानव मूल्यों को तथा विकसित करना।
(v) छात्रों को सामाजिक स्थिति का ज्ञान देना।
(vi) छात्रों को अच्छा नागरिक बनाना।
(vii) छात्रों का समय के सदुपयोग करने का ज्ञान देना।
3. विशिष्ट उद्देश्य :
(i) पाठ पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना।
(ii) हिंदू मुस्लिम एकता को बनाए रखने तथा उनके प्रयासों के बारे में जान पाएंगे।
(iii) बिजली और पानी के बिना हमारा जीवन नहीं चल सकता इसकी प्रोफाइल के साथ इनका उपयोग करने के बारे में जान पाएंगे।
4. पूर्वज्ञान- छात्र समय के बारे में तथा उसके उपयोग के बारे में परिचित हैं।
5. शिक्षण सहायक सामग्री- फ्लैनल बोर्ड, पाठ्यपुस्तक आदि।
6. सीखने रणनीतियां (योजना) – कहानी 'समय नियोजन' को कक्षा में बच्चों को बताया जाएगा। इसे जानने के लिए उन्हें कुछ प्रश्न करने को दिए जाएँगे। कक्षा का मार्ग इस प्रकार रखा जाएगा कि बच्चे बिना किसी हिचक या डर के अपने प्रश्नों के उत्तर खोजे । रचनात्मकता को बढ़ावा दिया जाएगा। व्याख्यात विधि का उपयोग किया जाएगा।
गतिविधियां:-(i)वर्ग पहेली से साहित्यकारों के नामों को ढूंढेंगे।
(ii)अपने अतीत से जुड़े किसी व्यक्ति के विषय में छोटा सा संस्मरण लिखेंगे।
7. (जीवन कौशल) उद्देश्य पूर्ण जीवन जीने व अपने कर्तव्यों का ईमानदारी पूर्वक निर्वाह करने के समय का महत्व बताते हुए पाठ का पठन किया जाएगा तथा कठिन शब्दों के अर्थ बताए जाएंगे बीच-बीच में समय के सदुपयोग पर छात्रों से उनके जीवन से जोड़कर कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे।
9. प्रतिक्रिया एवं उपचारात्मक (पुनरावृत्ति) :
(i) सुभान खान का क्या अरमान था?
(ii) सुभान खान हज के लिए कर्ज क्यों नहीं लेना चाहते थे?
(iii) सुभान खान ने पश्चिम की ओर मुंह करके नमाज पढ़ने का क्या कारण बताया?
10. मूल्यांकन :
(i) सुभान खान के अनुसार अल्लाह कहां रहते हैं ?
(ii) लेखक ने सुभान खान को क्या सुझाव दिया?
(iii) सुभान खान का क्या अरमान था?
11. गृहकार्य :
(i) आप अलग-अलग धर्मों के बारे में क्या सोचते हैं अपने शब्दों में लिखकर लाओ।
(ii) आप पढ़ाई के अलावा कौन-कौन से खेल खेलते हैं और घर में इन किन कामों में सपने माता-पिता का सहयोग करते हैं उनकी सूची बनाइ   12 : विद्यालय में उपलब्ध पाठ पुस्तक के माध्यम से इस कहानी को समझाया गया।

विद्यालय का नाम: बुढ़ा दल पब्लिक स्कूल पटियाला
दिनांक :
कक्षा : सातवीं
समय :40 मिनट
विषय पूरा करने के लिए अपेक्षित दिन 3-4

प्रकरण: जल ही जीवन है
1. शिक्षण परिणाम (बिन्दु):- बच्चों की
रुचि के अनुसार इस कहानी को कथा में बताया जाएगा।
इस पाठ के माध्यम से छात्रों को जल के शुद्धिकरण और जल प्रदूषण के ज्ञान का बोध होगा तथा प्रकृति के संरक्षण का ज्ञान होगा।
2. सामान्य उद्देश्य :-पाठ पढ़ने के उपरान्त शिक्षार्थी
(i) छात्रों के ज्ञान परिधि बढ़ाना।
(ii) छात्रों को गद्य शैलियों से परिचित कराना।।
(iii) छात्रों में कहानी के प्रति रूचि उत्पन्न करते हुए उनमें कहानी पठन के प्रति अनुराग उत्पन्न करना।
(iv) छात्र के विभिन्न मानसिक शक्तियां तथा मानव मूल्यों को तथा विकसित करना।
(v) छात्रों को सामाजिक स्थिति का ज्ञान देना।
(vi) छात्रों को अच्छा नागरिक बनाना।
(vii) छात्रों का समय के सदुपयोग करने का ज्ञान देना।
3. विशिष्ट उद्देश्य :
(i) पाठ पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना।
(ii) इस पाठ के माध्यम से छात्र प्रकृति की देन का ध्यान रखेंगे।
(iii) इस पाठ के माध्यम से छात्र अच्छी आदतें तथा अच्छा व्यवहार सीखेंगे।
4. पूर्वज्ञान- छात्र जल के बारे में तथा उसके उपयोग के बारे में परिचित हैं।
5. शिक्षण सहायक सामग्री- फ्लैनल बोर्ड, पाठ्यपुस्तक आदि।
6. सीखने रणनीतियां (योजना) – कहानी जल ही जीवन है के बारे कक्षा में पाठ पढ़ाया जाएगा तथा। इसे जानने के लिए उन्हें कुछ प्रश्न करने को दिए जाएँगे। कक्षा का मार्ग इस प्रकार रखा जाएगा कि बच्चे बिना किसी हिचक या डर के अपने प्रश्नों के उत्तर खोजे । रचनात्मकता को बढ़ावा दिया जाएगा। व्याख्यात विधि का उपयोग किया जाएगा।
गतिविधियां:-जल संकट से निकलेगी 'नैनो प्रौद्योगिकी'। नेट से 'नैनो प्रौद्योगिकी' के बारे में जानकारी जुटाएंगे तथा अपने मित्रों के साथ इस विषय पर चर्चा की जाएगी।
7. (जीवन कौशल) उद्देश्य आपको जब प्यास पाती है तो सीधे पानी को ढूंढते हैं तब आपको पानी के महत्व समझ आता है आप जानते हैं कि पेड़ पौधे और पशु पक्षी भी पानी के बिना जीवित नहीं रह सकते ऐसी अति आवश्यक वस्तु को संभाल कर रखना चाहिए पानी की एक-एक बूंद कीमती है पानी की बर्बादी को रोकने के जितने भी उपाय हो सके उन्हें आजमाना चाहिए अपने प्रतिदिन के जीवन में पानी की बचत को एक मुद्दा बना लें और उसके लिए हर संभव प्रयास करें।
8. प्रस्तुतीकरण : जल का महत्व बताते हुए पाठ का पठन किया जाएगा तथा कठिन शब्दों के अर्थ बताए जाएंगे बीच-बीच में समय के सदुपयोग पर छात्रों से उनके जीवन से जोड़कर कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे।
9. प्रतिक्रिया एवं उपचारात्मक (पुनरावृत्ति) :
(i) समुद्र का जल स्वाद में कैसा होता है ?
(ii) प्राणियों द्वारा सबसे घातक जल कौन सा होता है?
(iii) जल प्रदूषण को रोकने के लिए क्या करना चाहिए?
10. मूल्यांकन :
(i) जल के बिना कृषि संभव क्यों नहीं है?
(ii) जल के तीन प्राकृतिक स्त्रोत कौन से हैं?
(iii) पानी को हम किन किन कामों में प्रयोग करते हैं?
11. गृहकार्य :
(i) जल के कुदरती स्त्रोत्र के बारे में लिखकर लाएंगे।
(ii) जल को प्रदूषित होने से कैसे बचाया जाए उसके बारे में छात्र लिख कर लाएंगे।
12. संदर्भ- विद्यालय में उपलब्ध पाठ्यपुस्तक के माध्यम से इस कहानी को समझाया गया।

खविद्यालय का नाम: बुढ़ा दल पब्लिक स्कूल पटियाला
दिनांक :

कक्षा : सातवीं
समय :40 मिनट
विषय पूरा करने के लिए अपेक्षित दिन 3-4
प्रकरण:-बाल लीला
1. शिक्षण परिणाम (बिन्दु):- बच्चों की
रुचि के अनुसार इस कहानी को कथा में बताया जाएगा।
इस पाठ के माध्यम से छात्रों को जल के शुद्धिकरण और जल प्रदूषण के ज्ञान का बोध होगा तथा प्रकृति के संरक्षण का ज्ञान होगा।
2. सामान्य उद्देश्य :-पाठ पढ़ने के उपरान्त शिक्षार्थी
(i) छात्रों के ज्ञान परिधि बढ़ाना।
(ii) छात्रों को गद्य शैलियों से परिचित कराना।।
(iii) छात्रों में कहानी के प्रति रूचि उत्पन्न करते हुए उनमें कहानी पठन के प्रति अनुराग उत्पन्न करना।
(iv) छात्र के विभिन्न मानसिक शक्तियां तथा मानव मूल्यों को तथा विकसित करना।
(v) छात्रों को सामाजिक स्थिति का ज्ञान देना।
(vi) छात्रों को अच्छा नागरिक बनाना।
(vii) छात्रों का समय के सदुपयोग करने का ज्ञान देना।
3. विशिष्ट उद्देश्य :
(i) बच्चों को श्री कृष्ण जी के बाल रूप का ज्ञान करवाना।
(ii) बच्चे सूरदास द्वारा श्री कृष्ण के मनोहारी बाल रूप का रसास्वादन करेंगे ।
(iii) बच्चे श्री कृष्ण जी द्वारा माता यशोदा को बड़े भैया बलदाऊ का उलाहना देने का रसास्वादन करेंगे।
4. पूर्वज्ञान- छात्र श्री कृष्ण जी के बारे में परिचित हैं।
5. शिक्षण सहायक सामग्री- फ्लैनल बोर्ड, पाठ्यपुस्तक आदि।
6. सीखने रणनीतियां (योजना) – कहानी बाल लीला में श्री कृष्ण जी के बारे कक्षा में पाठ पढ़ाया जाएगा तथा। इसे जानने के लिए उन्हें कुछ प्रश्न करने को दिए जाएँगे। कक्षा का मार्ग इस प्रकार रखा जाएगा कि बच्चे बिना किसी हिचक या डर के अपने प्रश्नों के उत्तर खोजे । रचनात्मकता को बढ़ावा दिया जाएगा। व्याख्यात विधि का उपयोग किया जाएगा।
गतिविधियां:-भक्ति काल के रचनाएं पढ़ कर उन्हें चार्ट पेपर पर सुंदर अक्षरों में लिखकर कक्षा में टांगने की प्रेरणा देना।
7. (जीवन कौशल) बरसे बदरिया सावन की कविता ऑनलाइन सुनकर प्रश्नों के उत्तर देना एवं अपने बचपन की शरारत भरी घटनाएं मित्रों को बताना इन बातों की सीख देना।
8. प्रस्तुतीकरण : सूर और तुलसी हिंदी साहित्य जगत के सूर्य और चंद्रमा है दोनों ने अपने आराध्य श्री कृष्ण और राम की बाल लीला का अद्भुत सुंदर चित्रण किया है बल हट का चित्र दोनों की रचनाओं में उपलब्ध है सुरजन मान धंधे थे किंतु उनकी दिव्य दृष्टि ने बाल गोपाल की लीलाओं को ऐसा चित्रण किया कि पाठक सुध बुध खो बैठता है।
मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो कंठ लगायो।
पाठ पठन करते हुए तथा
कठिन शब्दों के अर्थ बताए जाएंगे।
9. प्रतिक्रिया एवं उपचारात्मक (पुनरावृत्ति) :
(i) सूरदास और मीराबाई ने-किस की भक्ति में पद रचना की है ?
(ii) पहले पद में 'मैं' शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ।
(iii) मीरा ने नंदलाल कहकर किसे पुकारा
(iii) श्री कृष्ण भगवान माखन ना खाने की आदत के बारे में किसे बता रहे हैं?
10. मूल्यांकन :
(i) मीराबाई किस से अपने नयनों में बसने का अनुरोध कर रही है?
(ii) मीराबाई ने नंदलाल का रूप वर्णन किस प्रकार किया है?
(iii) बाल गोपाल नेमा खन्ना खाने की कौन-कौन सी दलीलें दी?
11. गृहकार्य : छात्र निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखकर लाएंगे
प्रस्तुत पद में किस महीने के बारे में बात की गई है?

कवित्री को किसके आने की भनक लग गई है?
चारों दिशाओं से क्या
आ रहा है.
कवियत्री कौन सा गीत गाना चाहती है?
(ii) 12. संदर्भ -
विद्यालय में उपलब्ध पाठ्यपुस्तक के माध्यम से इस कहानी को समझाया गया।

कर लाएंगे। 12. संदर्भ -
विद्यालय में उपलब्ध पाठ्यपुस्तक के माध्यम से इस कहानी को समझाया गया।

ए। 12. संदर्भ -
विद्यालय में उपलब्ध पाठ्यपुस्तक के माध्यम से इस कहानी को समझाया गया।

12. संदर्भ -

विद्यालय में उपलब्ध पाठ्यपुस्तक के माध्यम से इस कहानी को समझाया गया।

© 2018-2020 dndsofthub All Rights Reserved